

09 फरवरी, 2025
माघ, शुक्ल पूर्णि, द्वादशी
संवत् 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओडिशा संस्करण

27 साल बाद
दिल्ली भाजपा की

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

रांगी

एविगार, वर्ष 10, अंक 112



सबका साथ सबका विकास



मोदी जी की पूरी हुई प्रतिज्ञा

खत्म हुई 27 साल की प्रतीक्षा

दिल्ली में



रिक्ल गया

दिल्लीवालों को दिल से

आमार



सन्नी टोपी

**युवा भाजपा नेता
मांडर विधानसभा क्षेत्र**





दिल्ली में मोदी के तोप से ढह गया 'केजरी वॉल'

- अति आत्मविश्वास ने छुबा दी आम आदमी पार्टी की नाव
- भारी पड़ गयी आम लोगों को पीछे चलनेवाली भीड़ समझना

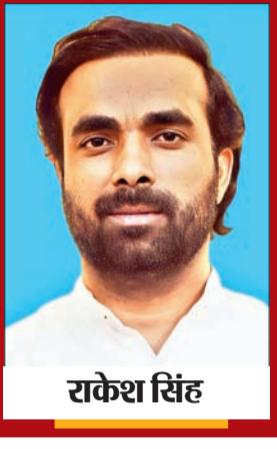
दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सिर्फ हारी ही नहीं, बल्कि राजनीति में नैतिकता और शुचिता के जिन मूल्यों की स्थापना के जिस दावे के साथ इस दल का अन्या आदेशल के गर्भ से जन्म हआ था, कहीं न कहीं उनसे दूर होना इस पार्टी को ले दिया। इस बार सिर्फ पार्टी ही नहीं, बल्कि निर्वत्तमान मुख्यमंत्री आतिशी और मंत्री गोपाल राय को छोड़ कर कमोबेश आप के सभी बड़े नेता चुनाव हार गये। वरना यहीं बीजेपी, यहीं नरेंद्र मोदी और यहीं अमित शाह 2015 और 2020 में भी तो थे। तब भी पूरा जोर लगाया गया था, लेकिन तब अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का

नवी और अलग राजनीति का नारा भाजपा की संगठन शक्ति, उसके नेताओं की चमक, साधन, सासाधन और तंत्र बल पर भारी पड़ा था। अगर आम आदमी पार्टी और टीम केजरीवाल अपनी नैतिक आभा नहीं खोते, तो उनकी जीत की संभावनाओं पर कोई संशय नहीं होता। दरअसल 2013 से दिल्ली की राजनीति में मिलने वाली अपार लोकप्रियता

से अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के अपराजेय होने का भ्रम पैदा कर दिया था। उन्होंने जनता का अपने पीछे चलने वाली भी समझ

जिनमें कट्टर ईमानदारी, सत्ता के तामझाम से दूर सादगी, आम जन से निकटता, राजनीति में शुचिता, सार्वजनिक नैतिकता की स्थापना, भ्रातृधारा उन्मूलन और सर्व धर्म सम्भाव शामिल थे। वह यह भी भूल गये कि उनके सामने उस नरेंद्र मोदी की प्रचंड लोकप्रियता है, जो अब भारतीय लोकतंत्र का पर्याय बन चुके हैं। इसके अलावा कई अन्य कारण भी रहे, जिन्हें नवी राजनीति ने नारे के साथ अरविंद केजरीवाल और आप ने शुरू किया था और

जिनमें एजेंट ईमानदारी, सत्ता के तामझाम से दूर सादगी, आम आदमी पार्टी के अपराजेय होने का भ्रम पैदा कर दिया था। उन्होंने जनता का अपने पीछे चलने वाली भी समझ



राकेश सिंह

की सरकार बनायी। अपनी सरकार की लोकलुभावन नीतियों की वजह से वे सत्ता में बने रहे। पूरी पार्टी केजरीवाल के ईर्विंग ही रही, लेकिन दिल्ली की शराब नीति से जुड़े मामले में गिरफतारी और जेल जाने के बाद जब वे रिहा हुए, तो सितंबर 2024 में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। सल्वेद जैन पहले ही जेल जा चुके थे। वहीं, पूर्व उप राज्यमंत्री मनोज सिंहदिव्या और संजय सिंह को भी लंबे समय तक जमानत नहीं मिल सकी। आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं का जेल जाना और अदालती शर्तों से बंधे रहना चुनाव से पहले बड़ा टर्निंग प्वाइंट रहा। एक अहम तथ्य यह भी है कि भाजपा के खिलाफ आंदोलन से निकाली अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार के बढ़े अरोप लगे। केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्पर पर सवाल उठाये, लेकिन इस बार शीश महल को लेकर उन पर ही सवाल खड़े हो गये। भाजपा-कांग्रेस ने आप को जम कर देया।

कारण नंबर दो: मुफ्त की योजनाओं का हाहियार नहीं चला

दिल्ली में आप की लोकप्रियता की बड़ी वजह मुफ्त विजली, पानी जैसी योजनाओं को माना जा सकता है। इस चुनाव से पहले भाजपा मुफ्त रेवड़ियों के खिलाफ आवाज बुलांद कर रही थी। केजरीवाल इसी बाबा का फायदा उठा कर पूरे देश में मुफ्त जिजूनी और इलाज जैसे मुहूरे उठाते रहते थे, लेकिन इस बाबा में भाजपा ने भी आप वाला ही दांव चला और चुनावी वादों में महिलाओं-बच्चों, युवाओं से लेकर अंटों रिक्षा चालकों तक के लिए बड़े एलान किये। इसके साथ ही कांग्रेस ने भी



ऐसे ही बादे किये, जिससे आप की चुनौती बढ़ गयी।

कारण नंबर तीन: शीथमहल विवाद को मुखरता से उठाना

भाजपा ने दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास को आलीशान तरीके से बनाने और उस पर करोड़ों रुपये खर्च करने का मुद्दा उठाया। भाजपा ने कई पोस्टर जारी कर केजरीवाल को इस मुद्दे पर घेरा।

कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को उठाया। देश की संसद में भी प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी से लेकर तमाम नेताओं ने आप को इस मुद्दे पर घेरा।

कारण नंबर चार: यमुना सफाई, सड़कें और जलभराव पर भी घिरी आप

दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस होने से पहले से केजरीवाल और

तमाम आप नेता यमुना की सफाई के मुद्दे को उठाया। देश की संसद में भी प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी को उठाते रहे हैं। तत्कालीन दिल्ली की सरकार को अड़े हाथों लेकर सभी नेताओं ने सकारा में अपने पर नदी को साफ करने का वादा किया था। इसके बाद दिल्ली की जनता ने आप को सरकार बनाने का इसका ठीकरा हरियाणा सरकार पर फोड़ा। इसके अलावा दिल्ली की खस्ताहाल सड़कें और बारिश के मौसम में जलभराव के मुद्दे ने भी केजरीवाल की पार्टी यमुना सफाई नहीं हो पायी। इस बार जब चुनाव प्रचार चल रहा था, तो उत्तर प्रदेश के केजरीवाल और आप को घेरा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली आकर केजरीवाल को चुनौती दी। इसके बाद केजरीवाल ने यमुना के जलरीले पानी का मुद्दा उठाया। उन्होंने लाल भाजपा ने दिल्ली की जनता को राजनीति की चुनौती देने वाली आप को घेरा। इसके बाद चुनाव में राहें अलग-अलग ही गयीं। कांग्रेस ने इस बाबा के विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत देंगी। इसका असर परियामों में साफ दिखाई दे रहा है। कांग्रेस का बोट शेरब बढ़ने की जगह से आप को नुकसान हुआ है।

कारण नंबर पांच: नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का तोप

दिल्ली में प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी की लोकप्रियता का तोप भी खबूल चला। मोदी ने चुनावी सभा में आप को आपदा करार दिया। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश देगुना हो गया। इस चुनावी नारे के साथ भाजपा ने हर कदम पर केजरीवाल और उनकी पार्टी को निशाना बनाया।

किसानों के फायदे के काम हों या फ्रायाप लोकप्रियता का तोप भी खबूल चला। मोदी ने चुनावी सभा में आप को आपदा करार दिया। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश देगुना हो गया। इस चुनावी नारे के साथ भाजपा ने हर कदम पर केजरीवाल और उनकी पार्टी को निशाना बनाया।

किसानों के फायदे के काम हों या फ्रायाप लोकप्रियता का तोप भी खबूल चला। मोदी ने चुनावी सभा में आप को आपदा करार दिया। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश देगुना हो गया। इस चुनावी नारे के साथ भाजपा ने हर कदम पर केजरीवाल और उनकी पार्टी को निशाना बनाया।

हालांकि 2020 से 2025 के दौरान अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी रास्ता भटक कर रहे हैं।

2013 में दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल में संभावना देखी।

2015 में उन्हें अपर बहुमत देकर बड़ा गोपक दिया और 2020 में मुफ्त, बिजली, पानी, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए उठाये गये कदमों पर मुहर लगाते हुए देखा गया। इस चुनावी नारे के साथ भाजपा ने आप को आपदा करार दिया।

उठाये गये कदमों ने आपदा करार दिया। इससे वो अति आत्मविश्वास के खिलाफ आया। इसी चुनावी नारे के साथ भाजपा ने आप को टक्कर दी।

किसानों के फायदे के काम हों या फ्रायाप लोकप्रियता का तोप भी खबूल चला। मोदी ने चुनावी सभा में आप को आपदा करार दिया। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश देगुना हो गया। इस चुनावी नारे के साथ भाजपा ने हर कदम पर केजरीवाल और उनकी पार्टी को निशाना बनाया।

हालांकि 2020 से 2025 के दौरान अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी रास्ता भटक कर रहे हैं।

2013 में दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल में संभावना देखी।

2015 में उन्हें अपर बहुमत देकर बड़ा गोपक दिया और 2020 में मुफ्त, बिजली, पानी, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए उठाये गये कदमों पर मुहर लगाते हुए देखा गया। इस चुनावी नारे के साथ भाजपा ने आपदा करार दिया।

उठाये गये कदमों ने आपदा करार दिया। इससे वो अति आत्मविश्वास के खिलाफ आया। इसी चुनावी नारे के साथ भाजपा ने आप को टक्कर दी।

किसानों के फायदे के काम हों या फ्रायाप लोकप्रियता का तोप भी खबूल चला। मोदी ने चुनावी सभा में आप को आपदा करार दिया। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश देगुना हो गया। इस चुनावी नारे के साथ भाजपा ने हर कदम पर केजरीवाल और उनकी पार्टी को निशाना बनाया।

हालांकि 2020 से 2025 के दौरान अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी रास्ता भटक कर रहे हैं।

<p

आजाद सिपाही



किसानों के खेतों
तक पानी पहुंचायेगी
राज्य सरकारः हेमंत

दिल्ली विधानसभा: 70 सीट, बहुमत-36, भाजपा-48 और आप-22

27 साल बाद दिल्ली माजपा की

- विधानसभा चुनाव में मिला स्पष्ट बहमत
 - भाजपा को 48 और आप को 22 सीटें मिलीं
 - कांग्रेस एक बार फिर शक्ति पर रही



अयोध्या हार का बदला: भाजपा ने सपा से मिलकीपर छीना

आजाद सिपाही संवाददाता
नयी दिल्ली। भाजपा ने दिल्ली में 27 साल बाद स्पृष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से भाजपा ने 48 और आम आदमी पार्टी (आप) ने 22 सीटें जीतीं। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली है। दिल्ली विधानसभा में कुल 70 सीटें हैं। बहुमत के लिए 36 सीटों की जरूरत है। बताते चलें कि भाजपा ने 1993 में 49 सीटें यानी दो तिहाई बहुमत हासिल किया था। पांच साल की सरकार में मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज मुख्यमंत्री बनाये गये थे। इसके बाद 1998 से 15 सालों तक कांग्रेस ने राज किया। फिर 2013 से आम आदमी पार्टी

बार भाजपा की 71% स्ट्रॉइक के विरुद्ध 42 सीटें जीतीं। पार्टी ने 48 पर चुनाव लड़ा, 48 सीटें जीतीं।

केजरीवाल और सियोदिया हारे



आप की हार के बाद टिल्ली संघिवालय सील

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के बहुमत की ओर बढ़ते ही उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने एक आदेश जारी किया। इस आदेश में दिल्ली सचिवालय को सील करने की बात थी। इसमें सचिवालय के दस्तावेजों की सरक्षा संबंधी चिंताओं का

नुकसान हुआ। आप का स्ट्राइक रेट 31% रहा। भाजपा ने पिछले चुनाव (2020) के मुकाबले वोट शेयर में 9% से ज्यादा का वृत्तान्त बिताया। उर्दू, अंग्रेजी

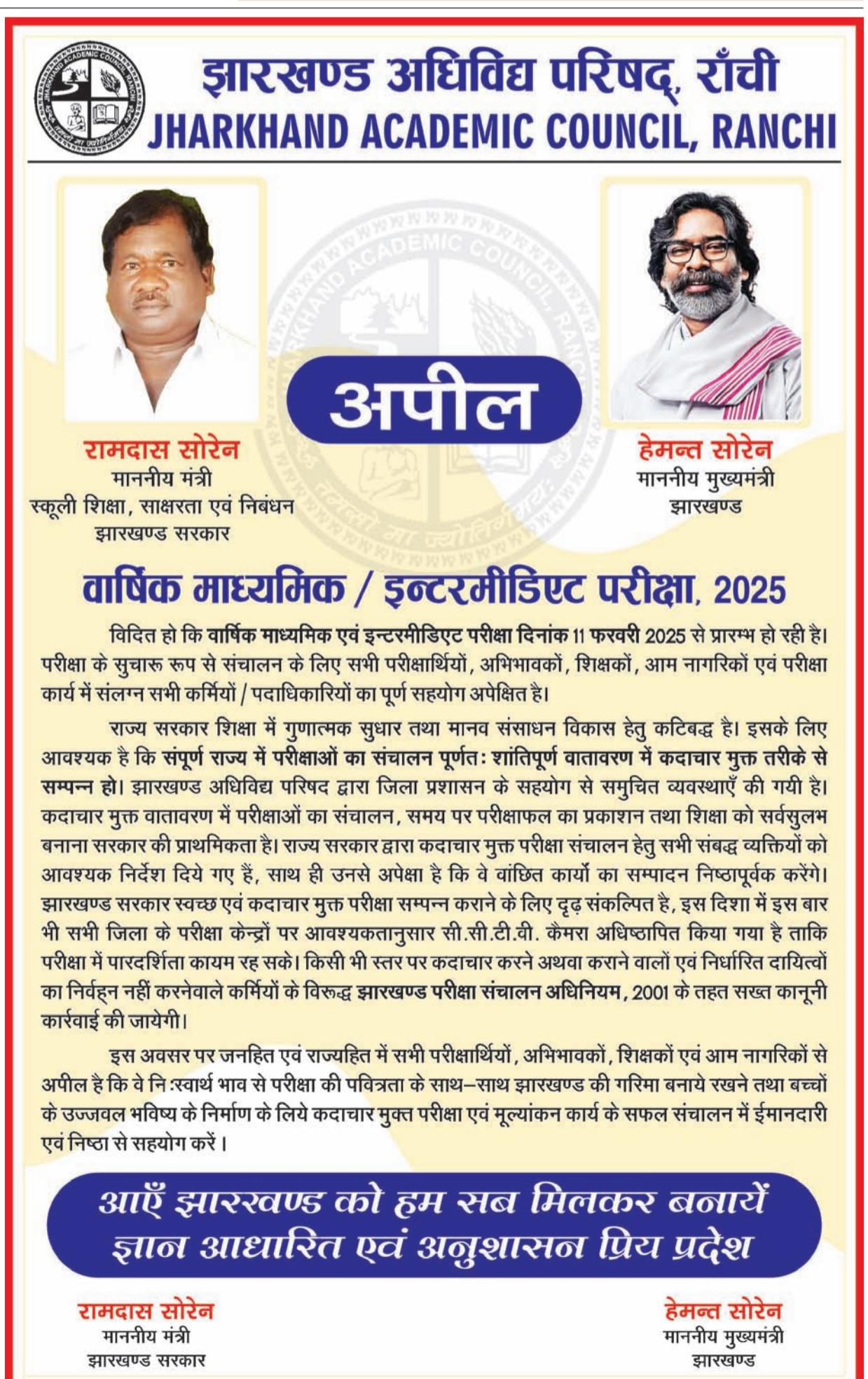
जिक करते हुए कहा गया है
कि विभाग की अनुमति के
बिना कोई भी फाइल,
दस्तावेज़, कंप्यूटर हार्डवेयर
आदि दिल्ली सचिवालय
परिसर के बाहर नहीं ले
जाया जा सकता है। साथ ही
सभी विभागों, एजेंसियों और
मन्त्रिपरिषद के कैंपं
कार्यालयों को निर्देश दिया
गया है कि वे विभाग की
अनुमति के बिना कोई भी
रिकॉर्ड या फाइल न छाटायें।

करीब 10% का नुकसान हुआ है। कांग्रेस को भले ही एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन वोट शेयर 2% बढ़ाने में कामयाब रही।

देश की राजधानी आप-दा से मुक्त हुईः नरेंद्र मोदी

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत यमुना मैदा की जय के नारे के साथ की। मोदी ने कहा कि आज दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और सुकून भी है। उत्साह विजय का है, सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है। आपने दिल खोल कर प्यार दिया। मैं दिल्लीवालों को नमन करता हूँ। मोदी ने कहा कि आपके इस प्यार को विकास के 'लांग रस्ट' पर हम लौटायेंगे। दिल्ली के लोगों का ये प्यार ये विश्वास हम सभी पर एक कर्ज है। दिल्ली की डबल इंजन सरकार दिल्ली का तोंजी से विकास करके ये कर्ज चुकायेगी। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेर्प नड़ा ने पीएम मोदी का स्वागत किया। कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड़ा, वित्त मंत्री निमला सीतारमण, भाजपा सांसद मनोज तिवारी और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत बड़े नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशान साधते हुए कहा कि आज जनता ने फिर एक बार कांग्रेस को कड़ा संदेश दिया है। दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस वे जीर्णी की डबल

हैट्रिक लगायी है। देश की राजधानी में देश की सबसे पुरानी पार्टी का लगातार दिल्ली में 6 बार से खाता नहीं खुल रहा है। ये लोग खुद गोल्ड मेडल देते फिर रहे हैं। सच्चाई यह है कि कांग्रेस पर देश बिल्कुल भरोसा करने को तैयार नहीं है। कांग्रेस परस्जीवी पार्टी बन चुकी है। खुद तो छूटती है, अपने साथियों का भी डुबोती है। कांग्रेस एक के बाद एक सहयोगियों को खत्म कर रही है। तरीका मजेदार है। मोदी ने कहा कि बिहार में भी ये कांग्रेस ही है, जो जातिवाद का जहर फैला कर अपनी सहयोगी आरजेझी की जमीन को खाने में जुट गयी है। ऐसा ही हाल जम्मू-कश्मीर, बगाल में भी कांग्रेस ने अपने सहयोगियों का किया। दिल्ली में भी साफ हो गया कि जो कांग्रेस का हाथ एक बार थामता है, उसका बांधाधार होना तय हो जाता है। प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आप-दा वाले यह कह कर राजनीति में आये थे कि राजनीति बदल डालेंगे, लेकिन ये कहर बैर्डमान निकले। वरिष्ठ महानभाव श्रीमान अन्ना हजारे का बयान सुन रहा था। वे काफी समय से इन आप-दा वालों के कुकमों की पीड़ा होल रहे थे। आज उन्हें भी उस पीड़ा से मुक्ति मिली होगी। जिस पार्टी का जन्म ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध हुए आंदोलन से हुआ हो, वही भ्रष्टाचार में लिप्स हो गयी। देश की ऐसी पार्टी बनी, जिसके मुख्यमंत्री, मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गये। ये खुद को ईमानदारी का सर्टिफिकेट और दूसरों को भ्रष्टाचार का मेडल देते थे, वे खुद बैर्डमान निकले। मोदी ने कहा कि शराब घोटाले ने दिल्ली को बदनाम किया। अहंकार इतना कि जब दुनिया कोरोना से निपट रही थी, तब ये आप-दा वाले शीशमहल बना रहे थे। आप-दा वालों ने अपने घोटाले छिपाए तो उसका नाम सजिंह रखी। मैं गारंटी दे रहा हूँ कि पहले विधानसभा सत्र में ही सीएजी की रिपोर्ट सदन में रखी जायेगी। भ्रष्टाचार की जांच होगी और जिसने भी लूटा है, उसको लौटाना पड़ेगा। ये भी मोदी की गारंटी है। पीएम ने कहा कि मां यमुना हमारी आस्था का केंद्र है। तभी तो कहते हैं कि नमो नमस्ते यमुना सदा त्वम्। हम लोग हमारा सदा मंगल करने वाली यमुना को नमस्कार करते हैं। उसी यमुना जी की लंब लोगों ने कैसी दुर्दशा कर दी है। दिल्ली का तो अस्तित्व ही मां यमुनाजी की गोद में पनपा है। चुनाव प्रचार के दौरान मैंने संकल्प लिया है कि यमुनाजी को हम दिल्ली शहर की पहचान बनायेंगे।



धनबाद/बोकारो/बेटमो

शराब पर प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूली करनेवाले विक्रेताओं-सेल्समैन का दुस्साहस खबर संग्रह करने गये पत्रकारों पर हमला, अपहरण की कोशिश

झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने की कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संचादाता



धनबाद। जिले के अधिकांश सरकारी शराब दुकानों पर विक्रेताओं-सेल्समैन द्वारा प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूली की जा रही है। दुकानदारों-ग्राहकों के बीच अक्सर प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूली को लेकर विवाद व मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं, जिसकी खबरें आजाद सिपाही सहित अन्य अखबारों में अक्सर प्रकाशित भी हो रही थीं, जिससे शराब याकिमों में मीडिया के प्रति आक्रोश है। उनका मोबाइल इतना बढ़ चुका है कि वे मौका मिलते ही पत्रकारों पर हमला करने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं। ऐसा ही ममला शुक्रवार को देखने को मिला। जहां वे शाम प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूली की सूचना पाकर खबर संग्रह

करने गये आजाद सिपाही व अन्य एक पत्रकार पर मारपीट नामक कंपनी के मालिक ने अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। दरअसर, शराब कारोबार से जुड़े मार्शल कंपनी के मालिक-कर्मचारी को सूचना मिली कि कुछ पत्रकारों ने उनका बिलिंग विदा कर कर्मचारों के साथ मिलते ही उन्हें एक सफेद गाड़ी में दोनों को जबरन विदा कर कहीं ले जाने वाले दुकानदारों पर जल्द ही कार्रवाई की गई। वहीं, पुलिस उपाधीनकारी नौशद आलम ने कहा कि जांच शुरू कर दी है। अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। पर जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

दुकानदारों को गुंडागर्दी नहीं, शराब बेचने के लिए रखा गया है : रामलीला रवानी

उधर, उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त रामलीला रवानी ने कहा कि दुकानदारों को दुकानों में शराब बेचने के लिए रखा गया है, जो की गुंडागर्दी करने के लिए। उन्होंने आवश्यकता की पत्रकारों पर हमला करने वाले दुकानदारों पर जल्द ही कार्रवाई की गई।

वहीं, पुलिस उपाधीनकारी नौशद आलम ने कहा कि जांच शुरू कर दी है। अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। पर जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

प्रिंट पत्रकारों ने सरायदेला थारों में हमलावरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। दूसरी ओर, पत्रकारों के साथ इस तरह के अधर्व आचरण व मारपीट के बीच खबर सरकारी शराब दुकान में अवैध शराब एवं प्रिंट रेट से अधिक शुल्क वसूल किये जाने के खिलाफ वीडियो रिकॉर्डिंग एवं न्यूज बना रहे हैं। ऐसे ही ममला शुक्रवार को देखने को मिला। जहां वे शाम प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूली की सूचना पाकर खबर संग्रह

करने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं।

एसोसिएशन आंदोलन करने को बाध्य होगा। बताते चलें कि इससे पहले भी नकली शराब बेचे जाने को लेकर गोल बिलिंग विश्वास दुकान में मारपीट के अनुप यादव और उनके एक सहयोगी जो गोल भी जाना पड़ा था। इसके बावजूद वहां अवैध शराब एवं प्रिंट रेट से अधिक रुपये में शराब बेचे जाने का सिलसिला बदलनु जारी है।

एसोसिएशन आंदोलन करने को बाध्य होगा। बताते चलें कि इससे पहले भी नकली शराब बेचे जाने को लेकर गोल बिलिंग विश्वास दुकान में मारपीट के अनुप यादव और उनके एक सहयोगी जो गोल भी जाना पड़ा था। इसके बावजूद वहां अवैध शराब एवं प्रिंट रेट से अधिक रुपये में शराब बेचे जाने का सिलसिला बदलनु जारी है।

जबरन ओपी डंप और जमीन अधिग्रहण के प्रतिवाद में पारंपरिक हथियार से लैस ग्रामीणों का हंगामा

देवप्रभा आउटसोर्सिंग में भिड़े ग्रामीण-परियोजना समर्थक, दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़-आगजनी

पुलिस और सीआइएसएफ जवानों ने संभावा भोवा

आजाद सिपाही संचादाता



झारखण्ड आउटसोर्सिंग में हंगामा करने वालों को पकड़ कर ले जाते सीआइएसएफ के जवान।

ने उसे चालू करने के लिए कवायद शुरू कर दी। इससे कवायद के समीप आउटसोर्सिंग कवायद शुरू कर दी। इससे ग्रामीण भड़क गये और परियोजना

के कैप के समीप आउटसोर्सिंग कवायद के साथ भिड़ गये। इस समर्थकों की जांच के दौरान ग्रामीणों ने कैप और

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगावण एक दर्जन डंफरो, दो डीजल टैंकरों में तोड़फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, करीब दो दर्जन परियोजना कर्मियों की बाड़ि में आग लगा दी। वहां, दोनों गुटों के समर्थकों की भिड़ दर्जन में जम कर मारपीट एवं पथरबाजी हुई। इस घटना में तीसरा शान प्रभारी सुमन कुमार सहित एक दर्जन ग्रामीण घायल हो गये हैं।

घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ के जवान पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किये।

वहां, घटना के बाद से परियोजना में कमकाज ठप है।

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगावण एक दर्जन डंफरो, दो डीजल टैंकरों में तोड़फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, करीब दो दर्जन परियोजना कर्मियों की बाड़ि में आग लगा दी। वहां, दोनों गुटों के समर्थकों की भिड़ दर्जन में जम कर मारपीट एवं पथरबाजी हुई। इस घटना में तीसरा शान प्रभारी सुमन कुमार सहित एक दर्जन ग्रामीण घायल हो गये हैं।

घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ के जवान पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किये।

वहां, घटना के बाद से परियोजना में कमकाज ठप है।

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगावण एक दर्जन डंफरो, दो डीजल टैंकरों में तोड़फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, करीब दो दर्जन परियोजना कर्मियों की बाड़ि में आग लगा दी। वहां, दोनों गुटों के समर्थकों की भिड़ दर्जन में जम कर मारपीट एवं पथरबाजी हुई। इस घटना में तीसरा शान प्रभारी सुमन कुमार सहित एक दर्जन ग्रामीण घायल हो गये हैं।

घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ के जवान पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किये।

वहां, घटना के बाद से परियोजना में कमकाज ठप है।

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगावण एक दर्जन डंफरो, दो डीजल टैंकरों में तोड़फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, करीब दो दर्जन परियोजना कर्मियों की बाड़ि में आग लगा दी। वहां, दोनों गुटों के समर्थकों की भिड़ दर्जन में जम कर मारपीट एवं पथरबाजी हुई। इस घटना में तीसरा शान प्रभारी सुमन कुमार सहित एक दर्जन ग्रामीण घायल हो गये हैं।

घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ के जवान पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किये।

वहां, घटना के बाद से परियोजना में कमकाज ठप है।

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगावण एक दर्जन डंफरो, दो डीजल टैंकरों में तोड़फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, करीब दो दर्जन परियोजना कर्मियों की बाड़ि में आग लगा दी। वहां, दोनों गुटों के समर्थकों की भिड़ दर्जन में जम कर मारपीट एवं पथरबाजी हुई। इस घटना में तीसरा शान प्रभारी सुमन कुमार सहित एक दर्जन ग्रामीण घायल हो गये हैं।

घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ के जवान पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किये।

वहां, घटना के बाद से परियोजना में कमकाज ठप है।

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगावण एक दर्जन डंफरो, दो डीजल टैंकरों में तोड़फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, करीब दो दर्जन परियोजना कर्मियों की बाड़ि में आग लगा दी। वहां, दोनों गुटों के समर्थकों की भिड़ दर्जन में जम कर मारपीट एवं पथरबाजी हुई। इस घटना में तीसरा शान प्रभारी सुमन कुमार सहित एक दर्जन ग्रामीण घायल हो गये हैं।

घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ के जवान पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किये।

वहां, घटना के बाद से परियोजना में कमकाज ठप है।

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगावण एक दर्जन डंफरो, दो डीजल टैंकरों में तोड़फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, करीब दो दर्जन परियोजना कर्मियों की बाड़ि में आग लगा दी। वहां, दोनों गुटों के समर्थकों की भिड़ दर्जन में जम कर मारपीट एवं पथरबाजी हुई। इस घटना में तीसरा शान प्रभारी सुमन कुमार सहित एक दर्जन ग्रामीण घायल हो गये हैं।

घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ के जवान पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किये।

वहां, घटना के बाद से परियोजना में कमकाज ठप है।

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगावण एक दर



दिल्ली बोली इस बार गोदी !



खिला कर्णल जीता विकास

भाजपा पर दिल्ली ने दिखाया विश्वास!

अभूतपूर्व समर्थन और अदृट विचास के लिए दिल्ली की जनता और सभी कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार



सबका साथ सबका विकास...

डॉ. प्रदीप कर्मा राज्य सभा संसद सुह भाजपा प्रदेश महामंत्री झारखण्ड

